निवेश वाले बंद समूहों में फर्जी पहचान: SEBI की चेतावनी

प्रकाशन: 24 नवंबर 2026

समाचार-संदर्भ: 23 नवंबर 2026

प्रिलिम्स तथा मुख्य परीक्षा: सामान्य अध्ययन-II/III



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com।

खबरों में क्यों

SEBI ने 23 नवंबर 2026 की प्रेस विज्ञप्ति 76/2026 में बंद सोशल-मीडिया समूहों में पंजीकृत मध्यस्थों की नकल करने वालों से सावधान किया। धोखेबाज असली संस्था का नाम, पंजीकरण का स्क्रीनशॉट या SEBI का जाली पत्र दिखाकर भरोसा बनाते हैं। किसी समूह का दावा उसके प्रामाणिक होने का प्रमाण नहीं। [1]

जाल कैसे काम करता है

विज्ञप्ति में अनधिकृत ट्रेडिंग मंच, कथित संस्थागत खाते, विदेशी बाजारों के अधिक आकर्षक होने के दावे तथा तीसरे पक्ष के खातों में रकम भेजने का दबाव वर्णित है। नकली ऐप में जमा और पोर्टफोलियो का बनावटी प्रदर्शन भी हो सकता है। ऐप में लाभ दिखना वास्तविक धन उपलब्ध होने की स्वतंत्र पुष्टि नहीं है। [1]

पहचान और संपर्क का अंतर

SEBI पंजीकरण वाली संस्था का अस्तित्व जाँचना पहला कदम है। उसके बाद सामने वाले समूह, व्यक्ति, ऐप और भुगतान खाते का उसी संस्था से वास्तविक संबंध जाँचना भी जरूरी है। असली पंजीकरण का स्क्रीनशॉट उठाकर धोखेबाज अपनी पहचान वैध नहीं बना सकता। [1]

चेतावनी संकेत

अनजान निमंत्रण, सुनिश्चित लाभ या घाटा भरने का दावा, अनधिकृत ऐप, तीसरे पक्ष का बैंक खाता, जाली मुहर और SEBI कर्मचारियों से संबंध का दावा संकेत हैं। केवल विदेशी फोन कोड को आधार न बनाएं; विज्ञप्ति कहती है कि भारतीय नंबर भी इस्तेमाल हो सकते हैं। हर बंद समूह को दोषी मानना भी सही नहीं; मुद्दा अपुष्ट पहचान और अनधिकृत गतिविधि है। [1]

SEBI Check क्या जाँचता है

विज्ञप्ति संस्था का पंजीकरण, अधिकृत मोबाइल ऐप और बैंक खाते/UPI ID की अलग-अलग जाँच के आधिकारिक लिंक देती है। SEBI Check का उपयोग बैंक खाते और UPI ID की प्रामाणिकता जाँचने के लिए बताया गया है। यह किसी शेयर की कीमत, लाभ या समूह के हर संदेश की गारंटी नहीं है। [1]

GMP से अलग विषय

उसी तारीख की प्रेस विज्ञप्ति 75/2026 अनौपचारिक IPO प्रीमियम के बारे में है। यहाँ विषय पंजीकृत मध्यस्थ की पहचान चुराकर निवेशक को नकली मंच या भुगतान खाते तक ले जाना है। दोनों निवेशक-सुरक्षा से जुड़े हैं, लेकिन एक ही चेतावनी या एक ही तंत्र नहीं हैं। [2]

मुख्य परीक्षा की दिशा

डिजिटल निवेश में सुविधा के साथ पहचान और भुगतान की स्वतंत्र पुष्टि जरूरी है। नीति में वित्तीय साक्षरता, अधिकृत संपर्क-सूची, आसान सत्यापन और शिकायत दर्ज करने की स्पष्ट प्रक्रिया साथ हों। केवल किसी लोगो को पहचान लेना या समूह में बहुत सदस्य होना पर्याप्त सुरक्षा नहीं। ये विश्लेषणात्मक निष्कर्ष हैं, किसी खास समूह पर अपराध का फैसला नहीं।

प्रिलिम्स अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: असली संस्था का पंजीकरण स्क्रीनशॉट किसी समूह की पहचान का अपने-आप प्रमाण है।

कथन 2: SEBI ने कहा है कि ऐसे समूह भारतीय फोन नंबर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b).

कथन 1 गलत है। पंजीकृत संस्था और उसकी नकल करने वाला समूह अलग हो सकते हैं। कथन 2 सही है। केवल फोन कोड से भरोसा या धोखाधड़ी तय नहीं की जा सकती।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

डिजिटल निवेश में पंजीकृत संस्था का अस्तित्व और सामने वाले की पहचान अलग-अलग जाँचना क्यों जरूरी है? विवेचना कीजिए। (150 शब्द, 10 अंक)

भूमिका में

नकल द्वारा भरोसा बनाने की समस्या रखें।

मुख्य भाग में

समूह, ऐप, संपर्क और भुगतान खाते की स्वतंत्र पुष्टि; नकली लाभ, तीसरे पक्ष के खाते तथा साक्षरता की सीमाएँ समझाएँ।

निष्कर्ष में

सुविधाजनक सत्यापन और जवाबदेह शिकायत-मार्ग जोड़ें।

स्रोत

- https://www.sebi.gov.in/sebi_data/attachdocs/nov-2026/1795442195371.pdf
- https://www.sebi.gov.in/sebi_data/attachdocs/nov-2026/1795441481174.pdf
- https://www.sebi.gov.in/media-and-notifications/press-releases/nov-2026/caution-to-investors-regarding-impersonation-of-sebi-registered-intermediaries-on-closed-user-groups-of-social-media-platforms_105944.html
- https://siportal.sebi.gov.in/intermediary/sebi-check

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

▼ क्या पंजीकरण का स्क्रीनशॉट पर्याप्त है?

नहीं। संपर्क और भुगतान खाते का असली संस्था से संबंध अलग से जाँचना चाहिए।

▼ क्या भारतीय नंबर सुरक्षित होने का प्रमाण है?

नहीं। SEBI ने भारतीय नंबरों के इस्तेमाल का भी उल्लेख किया है।

▼ क्या SEBI Check लाभ की गारंटी है?

नहीं। यहाँ इसका उद्देश्य बैंक खाते/UPI ID की प्रामाणिकता जाँचना है।